वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

बिरसा मुण्डा जयंती समारोह

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन किया गया जिसमे संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा, वरिष्ट वैज्ञानिक डा. शरद तिवारी, श्री सुभाष चंद्र आदि के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प सुमन देकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी के संचालन में श्री राजकुमार, श्री रवि शंकर प्रसाद, श्री करम सिंह मुण्डा, श्री हर्ष कुमार, सुश्री ज्योत्सना कुमारी एवं श्री अक्षय कुमार ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी एवं उनके आदर्शों को विस्तार से बताया। श्री राजकुमार ने अकाल के दिनों में उनके किये गये कार्यों एवं उल्गुलान को बताया वहीं श्री रवि शंकर प्रसाद ने सरकार द्वारा घोषित आदिवासी गौरव दिवस की चर्चा की। श्री करम सिंह मुण्डा ने धर्म एवं आध्यात्म के विषय में उनके सोच एवं जल जंगल जमीन के प्रति उनकी अवधारणाओं को विस्तार से बताया। श्री हर्ष कुमार ने बिरसा मुण्डा के जीवनी के प्रति एक कविता सुनायी वहीं सुश्री ज्योत्सना कुमारी ने उनकी जीवनी एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला। श्री अक्षय कुमार ने आदिवासी गीत गाकर भावुक बनाया।

डा. योगेश्वर मिश्रा ने भगवान बिरसा के आदर्शों की चर्चा करते हुए बताया कि ऐसे ओजस्वी महापुरुषों को यादकर हमे गौरव और इतिहास का बोध होता है। खेलने कुदने के उम्र का एक युवा ने भारतीय क्रांतिवीरों की श्रेणी में अग्रिम पंक्ति में अपना नाम अंकित कर इतिहास बनाया। उन्होने बताया कि भगवान बिरसा सिर्फ उल्गुलान क्रांतिकारी ही नही अपितु एक समाज सुधारक आध्यात्मिक एवं प्रकृति प्रेमी भी थे। जंगलों को अपना आशियाना बनाया एवं सभी धर्मों के बीच का धर्म बिरसायत का प्रादुर्भाव किया। पिता बनकर धरती की रक्षा में प्राणों को न्योछावर करने के कारण वे धरती आबा कहलाए। भारत सरकार द्वारा बिरसा मुण्डा जयंती को गौरव दिवस के रुप में मनाने के निर्णय का स्वागत करते हुए उन्होने बताया कि भगवान बिरसा में अदम्य साहस एवं दैवी शक्ति प्राप्त दृढ़ विश्वास था। अग्रेजों द्वारा उस काल के अत्याचार को याद करते हुए बताया कि अग्रेजों के दासत्व एवं साहुकारों के अत्याचार के बीच जन्मा बिरसा मुण्डा भविष्य की प्रेरणा बने रहेंगे।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

दीप प्रज्जवलित करते संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान

कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा करते हुए श्री बी.डी.पंडित ने कहा कि जोश और जज्वा उम्र का मोहताज नही होता। बिरसा मुण्डा का आदर्श सदा अनुअकरणीय है और रहेगा। कार्यक्रम की सफलता में विस्तार प्रभाग के श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार एवं श्री करम सिंह मुण्डा का सराहनीय योगदान रहा।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची